अनोखा गाँव

1.

पाठ का सारांश

गाँवों का सादा जीवन व स्वच्छ प्राकृतिक वातावरण शहरी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। मिट्टी की सौंधी सुगंध, स्वच्छ जल, हरे-भरे खेत, बगीचे, सादा-सरल जीवन शहरी क्षेत्र के बालक निखिल को इतना आकर्षित करता है कि उसे शहर से अधिक गाँव प्यारा लगने लगता है।

Summary

Through this chapter writer has described the beauty and simplicity of village. The atmosphere of village is very pure, simple and attractive. Due to this it attracts the civilians. Nikhil got attracted by these and started loving the village more than town.

2. **पढ़ें, समझें और बहुवचन में बदलें—**

क्यारी	—	···क्यारियाँ···	बैलगाड़ी	—	···बैलगाड़ियाँ···	बात	—	···बातें···
सब्ज़ी	—	···सब्ज़ियाँ···	दुकान	—	···दुकानें···	भैंस	—	···भैंसें···

3. **पढ़ें और पाठ के अनुसार विशेषण-विशेष्य का मिलान करें—**

लहलहाते	→	स्टेशन	उचित	→	छाछ
सरकारी	→	खेत	स्वादिष्ट	→	गाँव
छोटे-से	→	गोदाम	प्यारा	→	कीमत

4.

याद करके लिखें—

क. निखिल कहाँ रहता था? ···चेन्नई में···

ख. निखिल को किसने स्वादिष्ट छाछ पिलाई? ···चाची जी ने···

ग. किसान खेत किससे जोत रहे थे? ···ट्रैक्टर और हल से···

घ. निखिल घर के पीछे क्या उगाना चाहता था? ···सब्ज़ियाँ···

5.

सोचकर लिखें—

खेतों से अनाज (फसल) हम तक कैसे पहुँचता है?

…किसान फसलें काटने के बाद अनाज खरीद भंडार में बेच देते हैं। वहाँ से अनाज सरकारी गोदामों में जाता है। फिर उचित दर दुकानों के माध्यम से हम तक पहुँचता है।…

खेतों में निखिल ने क्या-क्या देखा?

…खेतों में निखिल ने छोटी-छोटी क्यारियों में भिंडी, करेले, टमाटर के पौधे तथा लौकी की बेल देखी। इसके…
…साथ-साथ उसने किसानों को ट्रैक्टर और हल से खेत जोतते भी देखा।…

6.

क. निखिल स्टेशन से घर तक कैसे पहुँचा?

उ. …निखिल स्टेशन से घर तक ताँगे से पहुँचा।…

ख. किसान क्यों व्यस्त थे?

उ. …बीज बोने का मौसम था इसलिए किसान व्यस्त थे।…

ग. गोबर गैस संयंत्र के बारे में हरदेव ने क्या बताया?

उ. …हरदेव ने बताया कि गोबर गैस संयंत्र में गोबर गैस बनती है, जिसके इस्तेमाल से रसोई में धुआँ…
…नहीं होता तथा मक्खी-मच्छर भी नहीं होते।…

घ. निखिल ने कौन-सा पत्ता तोड़ा?

उ. …निखिल ने नीबू के पेड़ का पत्ता तोड़ा।…